कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com
College Code : 1602

अकादमिक वर्ष : 2014–15

समिति : मिनीमाता समिति संयोजक : डॉ. डी. सी. अग्रवाल
कार्यक्रम : अतिथि व्याख्यान का आयोजन
वक्ता : डॉ. संतोष राय
प्रतिभागी संख्या : 80 आयोजन तिथि : 29.10.2014
उद्देश्य : छात्राओं को व्यक्तित्व विकास हेतु जानकारी देना
निष्कर्ष एवं प्रतिवेदन :

शास. डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग द्वारा "मिनीमाता बालिका उत्थान समिति" एवं वाणिज्य संकाय के संयुक्त तत्वाधान में अतिथि व्याख्यान आयोजित किया। बालिका समृद्धि योजना के अंतर्गत छात्राओं में व्यक्तित्व विकास पर जोर दिया जाता है। व्याख्यान के अतिथि वक्ता थे छत्तीसगढ़ अंचल के व्याख्यात वाणिज्य प्रबंधक गुरू डॉ. संतोष राय। कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन देते हुए मिनीमाता उत्थान समिति के संयोजक डॉ. डी. सी. अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान समय में छात्राओं के चहुमुंखी विकास की ओर ध्यान देना होगा। वाणिज्य संकाय प्रमुख डॉ. आर. के. तिवारी ने वक्ता परिचय देते हुए उनकी शिक्षा, अवार्ड और वाणिज्य एवं प्रबंधन क्षेत्र में उनके योगदान को बताया। डॉ. संतोष राय ने बड़े ही अनोखे एवं प्रभावशाली तरीके से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हमें हमेशा सकारात्मक रहना चाहिए। अवचेतना मन में चल रही दुविधा को कभी हावी नहीं होने देना चाहिए। सकारात्मक रवैया व्यक्तित्व का सबसे बड़ी पहचान होती है। महाविद्यालय के संरक्षक, प्राचार्य डॉ. दीपक कारकून ने उनका स्वागत किया। छात्राओं ने अतिथि वक्ता से प्रश्न पूछकर अपनी शंकाओं का समाधान किया। डॉ. के. एल. राठी ने महाविद्यालय परिवार एवं मिनीमाता उत्थान समिति की ओर से स्मृति चिन्ह प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आर. के. तिवारी एवं आभार प्रदर्शन डॉ. ऋचा ठाकुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. एस. खोब्रागड़े, डॉ. मुनिया राकेश, डॉ. उषा चंदेल, डॉ. सीमा अग्रवाल, श्रीमति ज्योति भरणे, डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं।

Govt. Dr. W.W. Patankar Girls' P.G. College Durg (C.G.)

PRINCIPAL
Govt. Dr. W.W. Patankar
Girls' P.G.College, Durg

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com
College Code : 1602

अकादमिक वर्ष : 2014–15

समिति : मिनीमाता समिति संयोजक : डॉ. डी. सी. अग्रवाल
कार्यक्रम : व्यक्तित्व विकास पर व्याख्यान का आयोजन
वक्ता : श्री गुंजन देवांगन
प्रतिभागी संख्या : 80 आयोजन तिथि : 12.11.2014
उद्देश्य : छात्राओं को स्वयं के व्यक्तित्व विकास हेतु प्रेरित करना
निष्कर्ष एवं प्रतिवेदन :

शास. डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के प्राध्यापको द्वारा संचालित "मिनीमाता उत्थान समिति" द्वारा समय–समय पर छात्राओं के हित एवं विकास संबंधी कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में "बालिका समृद्धि" योजना के अंतर्गत दिनांक 12.11.2914 को छात्राओं के व्यक्तित्व विकास संबंधी व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसके मुख्य वक्ता थे श्री गुंजन देवांगन, जो "युवा लाइफ नामक गैर सरकारी संगठन" के संस्थापक हैं। आपने बड़े ही रोचक तरीके से छात्राओं को अपने मन की बात कहने की प्रेरणा दी। अब भी लड़कियां परिवार, शैक्षणिक संस्था एवं समाज में स्वतंत्र सोच नहीं रख पाती हैं। उन्हें एक दिषा निर्देशक की आवष्यकता है। जिससे वे निःसंकोच अपने लक्ष्य, जीवन की चर्चा कर सकें। व्याख्यान काउंसलर श्रीमती कंचन द्विवेदी ने भी संबोधित किया। छात्राओं ने बड़े ही उत्साहपूर्वक चर्चा सत्र में हिस्सा लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्राध्यापक, छात्राएं एवं युवा लाइफ संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

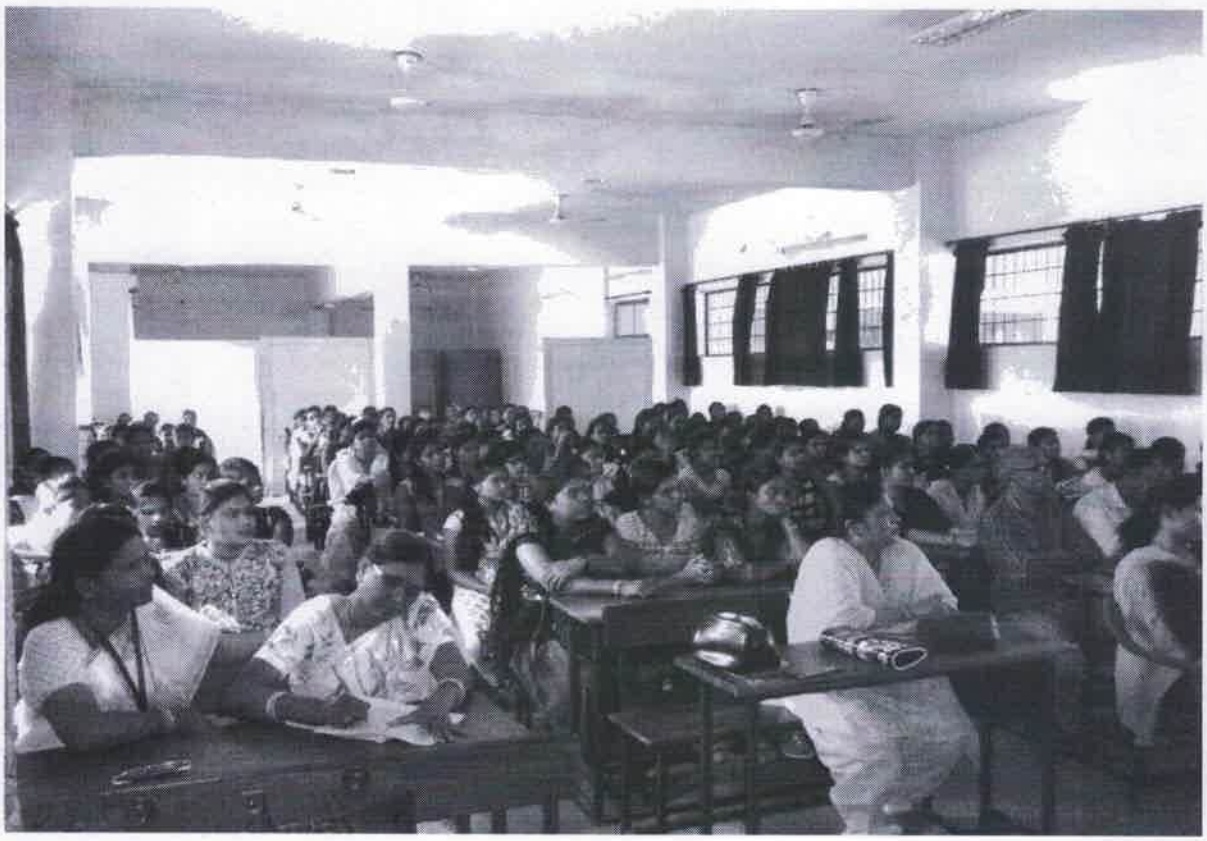

Govt. Dr. W.W. Patankar Girls' P.G. College ★ Durg (C.G.)

PRINCIPAL
Govt. Dr. W.W. Patankar
Girls' P.G.College, Durg

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com
College Code : 1602

अकादमिक वर्ष : 2016–17

समिति : **RUSA** संयोजक : डॉ. ऋचा ठाकुर
कार्यक्रम : सुनहरे भविष्य की ओर कार्यशाला
वक्ता : डॉ. संतोष राय
प्रतिभागी संख्या : 150 आयोजन तिथि : 08.12.2016
उद्देश्य : छात्राओं मे भविष्य के प्रति उत्साह एवं ऊर्जा का संचार करना
निष्कर्ष एवं प्रतिवेदन :

शासकीय डॉ.वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में कॅरियर मार्गदर्शन कार्यशाला "सुनहरे भविष्य की ओर" के दूसरे दिन कॉमर्स गुरू डॉ. संतोष राय ने अपना प्रभावी उद्बोधन दिया। उन्होनें छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि परिवर्तन सृष्टि का नियम है हमें रूढ़ीवादी विचारधारा, नकरात्मक विचारों को निकाल फेंकना है। सफलता तभी मिलती है जब जुनून होता है। हमें सफल होना है तो रूचि, पसंद और सकारात्मकता की ओर सोचना होगा। उन्होनें कहा कि हमें आम नहीं खास बनना है इसके लिए एक जिद् होनी चाहिए जो हमें मंजिल तक पहुँचा सके। जिद् सकारात्मक होनी चाहिए। सीखने को जहाँ से मिले सीखो। अपने प्रभावी अंदाज में डॉ. राय ने छात्राओं में नया उत्साह एवं ऊर्जा का संचार किया। कार्यशाला में श्री आशीष कुमेटी, लक्ष्य एकेडमी ने छात्राओं को छत्तीसगढ़ लोकसेवा आयोग की परीक्षा के संबंध में जानकारी दी। उन्होनें प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा तथा साक्षात्कार के तीनों चरणों की विस्तृत चर्चा करते हुए इस परीक्षा की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिए।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने विद्यार्थियों को परीक्षाओं की तैयारी के साथ ही अपने कैरियर के प्रति भी सचेत रहने की बात कही। उन्होनें विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ स्नातक स्तर की "अंग्रेजी भाषा" की तैयारी के लिए शीघ्र ही विशेष कक्षाएँ प्रारंभ करने की जानकारी दी।

द्वितीय सत्र में सिटकॉन के श्री हेमंत घोटे ने शासन की विभिन्न कौशल विकास की योजनाओं पर प्रकाश डाला तथा लघु उत्पादों के निर्माण की तकनीक बताई। उन्होनें विभिन्न लघु उत्पाद के अन्तर्गत फिनॉयल, मोमबत्ती, डिटर्जेन्ट पावडर, सोप बनाने की विधि को भी छात्राओं को सिखाया। जिसे बड़े, उत्साह से छात्राओं ने सीखा। श्री घोटे ने स्वरोजगार हेतु विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचाना डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. लता मेश्राम ने किया। कार्यशाला के अंत में छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

Govt. Dr. W.W. Patankar Girls' P.G. College ★ Durg (C.G.)

PRINCIPAL
Govt. Dr. W.W. Patankar
Girls' P.G.College, Durg

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com
College Code : 1602

अकादमिक वर्ष : 2017–18

समिति : वाणिज्य विभाग संयोजक : डॉ. के.एल.राठी
कार्यक्रम : "विधिक साक्षरता" पर व्याख्यान आयोजित
वक्ता : श्री सत्येन्द्र साह एवं श्री विवेक तिवारी
प्रतिभागी संख्या : 70 आयोजन तिथि : 28.08.2017
उद्देश्य : हर स्तर पर कानून की जानकारी देना
निष्कर्ष एवं प्रतिवेदन :

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग के वाणिज्य विभाग द्वारा प्राचार्य, डॉ. एस. सी. तिवारी के मार्गदर्शन में विधिक साक्षरता पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सत्येन्द्र साहू, न्यायाधीश दुर्ग एवं श्री विवेक तिवारी न्यायाधीश दुर्ग थे। श्री विवेक तिवारी ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि उन्हें हर स्तर पर कानून की जानकारी होनी चाहिए।

कानून की अनभिज्ञता डर को पैदा करती है जिससे हम गलत बातों का विरोध नहीं कर पाते। उन्होनें बताया कि छेड़छाड़ तथा पीछा करना, अभद्र टिप्पणी करना भी कानूनन अपराध है तथा इसमें गैर–जमानती सजा हो सकती है।

श्री सत्येन्द्र साहू ने छात्राओं से कहा कि वे हर स्तर पर एवं हर समय जागरूक रहें। अमान्य संस्थाओं से डिग्री प्राप्त न करें। उन्होनें मानवीय एवं मौलिक अधिकारों को समझाया। लोक सेवा गारंटी के नियमों से अवगत कराया। दहेज प्रताड़ित नियमों के बारे में बताया तथा छात्राओं से निवेदन किया कि ज्ञान को हमेशा बढ़ाते रहें ताकि वे अपने को परेशानियों से बचा सके। विधि का ज्ञान हमें अनेकों समस्याओं से मुक्ति दिला सकता है। नये कानून के अनुसार बेटी को भी पैतृक सम्पत्ति में बराबर की हिस्सेदारी सुनिश्चित की गई है।

एम.कॉम. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा कु. रूचि शर्मा एवं अन्य छात्राओं ने न्यायाधीशों से कुछ प्रश्न भी पूछे जिसका उत्तर बहुत अच्छे से समझाते हुए न्यायाधिशों ने दिया।

कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. के.एल.राठी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शशि कश्यप द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. व्ही.के.वासनिक, प्रियंका, पिंकेश्वरी एवं नेहा आदि उपस्थित थे।

Govt. Dr. W.W. Patankar Girls' P.G. College Durg (C.G.)

PRINCIPAL
Govt. Dr. W.W. Patankar
Girls' P.G.College, Durg

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com
College Code : 1602

अकादमिक वर्ष : 2017–18

समिति : हिन्दी विभाग संयोजक : डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी
कार्यक्रम : "हिन्दी भाषा और बोलियाँ" पर व्याख्यान
वक्ता : डॉ. अमरनाथ शर्मा
प्रतिभागी संख्या : 50 आयोजन तिथि : 31.08.2017
उद्देश्य : हिन्दी भाषा को बढ़ावा देना
निष्कर्ष एवं प्रतिवेदन :

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग के तत्वाधान में "हिन्दी भाषा और बोलियां– भाषिक अन्तर्संबंध" पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता कलकत्ता विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्वविभागाध्यक्ष डॉ. अमरनार्थ शर्मा थे। भाषाविद डॉ. शर्मा ने कहा कि देखा जाए तो हम दो भाषाओं का अनुशीलन करते है। घर–परिवार से हम छत्तीसगढ़ी सुनते और सीखते है। लेकिन प्राथमिक स्तर पर हिन्दी में ही ककहरा सीखते है। आठवीं अनुसूची में अपने–अपने क्षेत्र की बोलियों को दर्ज कराने की होड़ लगी हुई है। राजस्थानी, हरियाणवी, अंगिका, मगही, भोजपुरी, छत्तीसगढ़ी आठवीं सूची में शामिल होने की कतार में है। उन्होनें कहा कि स्वतंत्रता के बाद हिन्दी की व्याप्ति हिन्दीतर भाषी प्रदेशों में हुई है। हिन्दी की संख्या और गुणवत्ता का आधार केवल हिन्दी भाषी राज्य ही नहीं है अपितु हिन्दीतर भाषी राज्य भी है। हमें हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने एवं उसको कमजोर करने के प्रयासों के प्रति सजग रहना होगा। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. ज्योति भरणे ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों के साथ स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थी उपस्थित थे।

Govt. Dr. W.W. Patankar Girls' P.G. College ★ Durg (C.G.)

PRINCIPAL
Govt. Dr. W.W. Patankar
Girls' P.G.College, Durg

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com
College Code : 1602

अकादमिक वर्ष : 2018–19

समिति : राजनीतिषास्त्र विभाग संयोजक : डॉ. सुचित्रा खोब्रागढ़े
कार्यक्रम : अंतर्राष्ट्रीय राजनीति पर व्याख्यान
वक्ता : डॉ. दिलीप मौर्य

प्रतिभागी संख्या : 100 आयोजन तिथि : 19.09.2018
उद्देश्य : संयुक्त राष्ट्र एवं भारत निर्माण हेतु प्रेरित करना
निष्कर्ष एवं प्रतिवेदन :

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग के राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से संयुक्तराष्ट्र पर आधारित अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. दिलीप मौर्य जी ने संयुक्तराष्ट्र से संबंधित व्याख्यान दिया। डॉ. मौर्य ने संयुक्त राष्ट्र के निर्माण उद्देश्यों एवं उसके विभिन्न अंगों पर अपने विचार रखते हुए कहा कि वर्तमान समय में संयुक्तराष्ट्र की प्रासंगिकता महत्वपूर्ण है। उन्होनें विश्लेषण करते हुये बताया कि भारत संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख सदस्य उस समय था जब देश आजाद भी नहीं हुआ था। आज भारत विश्व राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। संयुक्त राष्ट्र के सभी अंगों में भारत को प्रमुख दर्जा मिला हुआ है ऐसे में सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्य हेतु भारत की दावेदरी प्रबलता से उठ रही है। डॉ. मौर्य ने भारत एवं विश्व के अन्य देशों के बीच विदेश संबंधों पर भी विस्तार पूर्वक चर्चा की।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि भारत और संयुक्तराष्ट्र संघ के विषय पर अध्ययन छात्राओं के लिये आवश्यक और ज्ञानवर्धक भी है। कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान विभाग डॉ. सुचित्रा खोब्रागढ़े ने किया एवं श्रीमती भावना दिवाकर ने आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ. अनिल जैन, डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी एवं छात्रायें उपस्थित थी।

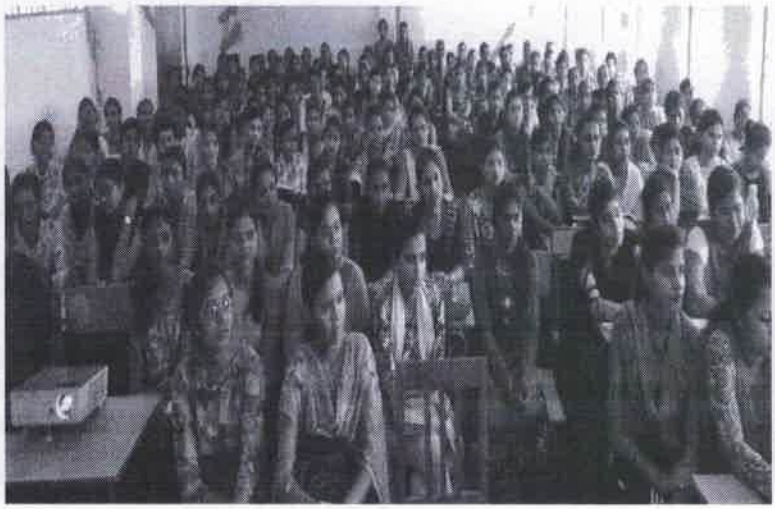

Govt. Dr. W.W. Patankar Girls' P.G. College Durg (C.G.)

PRINCIPAL
Govt. Dr. W.W. Patankar
Girls' P.G.College, Durg

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com
College Code : 1602

अकादमिक वर्ष : 2018–19

समिति : हिन्दी विभाग संयोजक : डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी
कार्यक्रम : "भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब" पर व्याख्यान
वक्ता : प्रो. सियाराम शर्मा
प्रतिभागी संख्या : 75 आयोजन तिथि : 27.11.2018
उद्देश्य : साहित्य के मूल को समझाना

निष्कर्ष एवं प्रतिवेदन :

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में हिन्दी विभाग के तत्वाधान में "भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब" विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता शासकीय दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उतई के प्रो. सियाराम शर्मा थे। उन्होनें अपनी बात तमिल के प्रसिद्ध कवि सुब्रमण्यम भारती के कथन से करते हुए कहा कि भारत का चेहरा लगभग 18 भाषाओं का है पर शरीर एक ही है। इनकी बात को आगे बढ़ाते हुए डॉ. शर्मा ने जोड़ा कि सबकी आत्मा भारतीयता ही है। मलयालम के कवि बल्लतोल ने भारतीयता को आत्मगौरव के रूप में रेखांकित किया। भारत के बिम्ब के आदि स्वप्नदर्शियों में कालिदास के मेघदूतम् से लेकर बंकिम चन्द्र के वन्दे मातरम् तक भारत के विराट बिम्ब को डॉ. शर्मा ने समझाया। उन्होनें बताया कि दुनिया का महान साहित्य जनता का और जनता की दृष्टि से लिखा हुआ साहित्य है। उन्होनें हिन्दी साहित्य के भारतेन्दु, उड़ीसा के सीताकान्त महापात्रा, फकीर मोहन सेनापति, बांग्ला के वंद्योपाध्याय कृत पाथेर पंचाली, हिन्दूस्तानी के अल्लामा इकबाल, फैज अहमद फैज, मैथिलीशरण गुप्त का भारत–भारती के द्वारा भारत के छवि को सामने रखा। जिसमें भारत के स्वप्न के साथ–साथ कटु–यथार्थ का चित्रण किया गया है। आज के परिदृश्य पर रोशनी डालते हुए उन्होनें रण्ेन्द्र के ग्लोबल गाँव के देवता और वीरेन उंगवाक के 'ये हमने कैसा समाज रच डाला' के माध्यम से भूमंडलीकरण तथा नवउपनिवेशवाद के चुनौतियों को विस्तारपूर्वक समझाया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि हमारे देश की विविधतापूर्ण संस्कृति को भारतीय साहित्य समग्रता में प्रतिबिम्बित करती है। साहित्य के मूल में सबके हित और सहित की भावना मुख्य है। कार्यक्रम के संचालक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने आज के भारतीय साहित्य के समक्ष खड़ी चुनौतियों को सामने रखा। शोध छात्रा विजिया पटेल तथा एमए की छात्रायें कु. लकेश्वरी एवं दिपिका ने महत्वपूर्ण प्रश्नों को पूछकर इस संवाद को सार्थकता दी। हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. ज्योति भरणे सहित स्नातकोत्तर की छात्रायें उपस्थित थी।

Govt. D. W. Patankar Girls' P.G. College ★ Durg (C.G.)

PRINCIPAL
Govt. Dr. W.W. Patankar
Girls' P.G.College, D

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com
College Code : 1602

अकादमिक वर्ष : 2018–19

समिति : आई.क्यू.ए.सी. संयोजक : डॉ. अमिता सहगल
कार्यक्रम : साधना अभ्यास से आती है – डॉ. चन्द्र कुमार जैन
वक्ता : डॉ. चन्द्र कुमार जैन
प्रतिभागी संख्या : 100 आयोजन तिथि : 06.12.2018
उद्देश्य : भाषा–संप्रेषण के महत्व को समझाना

निष्कर्ष एवं प्रतिवेदन :

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग के आई.क्यू.ए.सी. के अन्तर्गत प्रख्यात वक्ता और शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के हिन्दी प्राध्यापक डॉ. चंद्रकुमार जैन का भाषा, संप्रेषण और प्रस्तुति पर रोचक व्याख्यान आयोजित हुआ। डॉ. जैन ने छात्राओं को बताया कि शब्द तो अपने आप में जड़े होते है उसमें चेतना का प्राण फूँकने वाला तो वक्ता होता है। शब्द केवल शोर और तमाशा नहीं है शब्द तो ब्रम्ह है। भाषा सधी हुई होनी चाहिए और सधी भाषा साधना का काम है। साधना अभ्यास से आती है। 'करत–करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।'

डॉ. जैन ने कहानी के माध्यम से छात्राओं को समझाया कि निर्भय होकर अपने आपको पहचानिए और अभिव्यक्ति का कोई भी अवसर न चूकिए। संप्रेषण की अनिवार्य शर्त अच्छा श्रोता बनना होता है। संप्रेषण में वक्ता को विषय की अवधारणा बिल्कुल स्पष्ट होनी चाहिए। विषय और परिवेश के अनुसार स्वर के अनुपात, प्रवाह, आरोह–अवरोह के साथ ही भाव–भंगिमा में परिवर्तन होना जरूरी है। अगर अच्छा बोलना कला है तो उचित अवसर पर बोलना आवश्यक न हो तो खामोश रहना उससे बड़ी कला है। जिसको मुक्तिबोध ने 'समझदार चुप्पी' कहा है। अपने कहे को दूसरे की जीवन का अनुभव बना देना तुलसी और कबीर जैसी क्षमता है। जिसके मूल में संप्रेषण की कला है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को व्यक्तित्व विकास की जीवन में अहमियत समझायी। सरकारी या प्राईवेट नौकरी या जीवन संघर्ष में भाषा और सम्प्रेषण व्यक्ति के सबसे सशक्त और भरोसेमंद हथियार होते है। महाविद्यालय का काम शिक्षा के साथ ही ऐसे कार्यशालाओं के माध्यम से छात्राओं के व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाना भी है।

आई.क्यू.ए.सी. की प्रभारी डॉ. अमिता सहगल ने आज के आयोजन की सार्थकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनिल जैन, डॉ. के.एल. राठी, डॉ. मीरा गुप्ता, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. शशि कश्यप, डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, डॉ. ज्योति भरणे तथा छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थी। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय परिवार की ओर से डॉ. जैन का शाल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया। छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध रचनाकार स्व. लक्ष्मण मस्तूरिया को भावांजली अर्पित की गई। डॉ. जैन ने 'मोर संग चलव रे गीत' प्रस्तुत किया।

Govt. Dr. W.W. Patankar Girls' P.G. College ★ Durg (C.G.)

PRINCIPAL
Govt. Dr. W.W. Patankar
Girls' P.G.College, Durg

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com
College Code : 1602

अकादमिक वर्ष : 2018–19

समिति : हिन्दी विभाग संयोजक : डॉ. यशेश्वरी ध्रुव
कार्यक्रम : "छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य का समृद्ध इतिहास है"
वक्ता : डॉ. कल्पना मिश्रा
प्रतिभागी संख्या : 75 आयोजन तिथि : 16.03.2019
उद्देश्य : भाषा–संप्रेषण के महत्व को समझाना

निष्कर्ष एवं प्रतिवेदन :

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग द्वारा वाद–संवाद श्रृंखला के अंतर्गत छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य के इतिहास पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। शासकीय दूब. कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर की प्राध्यापक और साहित्यकार डॉ. कल्पना मिश्रा मुख्य वक्ता थी। डॉ. मिश्रा ने छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य के इतिहास का विस्तार से विवेचन किया। उन्होनें बताया कि छत्तीसगढ़ी गद्य का प्राचीनतम रूप 'दंतेवाड़ा के शिलालेख' में मिलता है। श्रीराम की कथा, ढोला की कहानी और चंदैनी की कहानी से गद्य की साहित्य यात्रा शुरू हुई। पालेश्वर प्रसाद शर्मा, पं. श्यामलालाल चतुर्वेदी, खूबचंद बघेल, हबीब तनवीर आदि की सशक्त परम्परा ने छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य का समुचित विकास किया। जीवनी, अनुवाद, प्रहसन, एकांकी, नाटक, संस्मरण के साथ ही छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य पत्र–पत्रिकाओं के माध्यम से समृद्ध रहा है। 'सतवंतिन सुकवारा, आंसू म फिले अचरा' आदि कहानियों के उदाहरण के माध्यम से उन्होनें छत्तीसगढ़ी भाषा की मधुरता, वचनवक्रता एवं चुटिलेपन तथा लोक के मुहावरे में सम्पृक्तता को रेखांकित किया। इस अवसर पर एम.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर पॉवर प्वाइंट प्रस्तुति दी। प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को स्तरीय प्रस्तुति पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि खुद से स्लाईड्स तैयार कर मंच पर प्रस्तुति देने से आत्मविश्वास मिलता है जो कि भविष्य में रचनात्मक तथा शैक्षणिक गतिविधियों में बहुत काम आता है। विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने अतिथि व्याख्यान की महत्ता बताई और विषय का प्रतिपादन किया। श्रीमती ज्योति भरणे ने हिन्दी विभाग की सत्रीय गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर प्रतिवदेन प्रस्तुत किया। उल्लेखनीय अकादमिक गतिविधियों के लिये विभाग द्वारा डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी का सम्मान किया गया एवं सत्र 2018 में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त छात्राओं पूनम, वर्षा को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने किया।

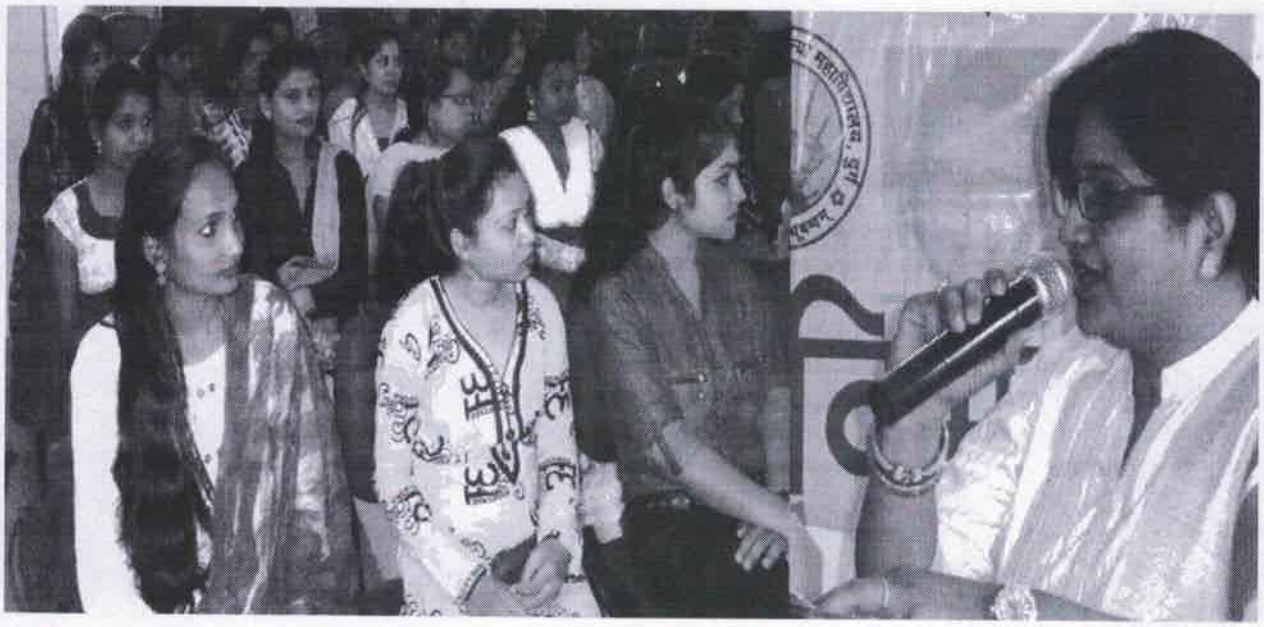

Govt. Dr. W.W. Patankar Girls' P.G. College Durg (C.G.)

PRINCIPAL
Govt. Dr. W.W. Patankar
Girls' P.G.College, Durg